भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1471
दिनांक 11.02.2020

पान-पत्ता अनुसंधान केन्द्र

1471. सुश्री एस. जोतिमणि:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग करूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अरावाकुरूची में स्थित पुगलुर में पान-पत्ता अनुसंधान केन्द्र का निर्माण करने पर विचार करेगा;

(ख) क्या सरकार तमिलनाडु के करूर जिले में स्थित मणप्पराई में फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक पुष्प सुगंध औद्योगिक उद्यान स्थापित करने पर विचार करेगी;

(ग) देशभर में बागवानी और पुष्प कृषि क्षेत्र के विकास को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(घ) तमिलनाडु में कार्यान्वित किए गए उक्त कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) मंत्रालय के तहत, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) द्वारा करूर संसदीय क्षेत्र में अरावाकुरूची में स्थित पुगलुर में पान अनुसंधान केंद्र की स्थापना का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ख) चूंकि यह मामला भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के कार्यक्षेत्र में नहीं आता, अत: तमिलनाडु के करूर जिले में स्थित मणप्पराई में एक पुष्प सुगंध औद्योगिक पार्क स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ग)

- भाकृअप द्वारा बागवानी एवं पुष्प विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य करने के लिए देश भर में 23 बागवानी संस्थानों/निदेशालयों/राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्रों (एनआरसी) एवं 12 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं (एआईसीआरपी) की स्थापना की गई है।

- वर्ष 2014-19 के दौरान, बागवानी एवं पुष्प विज्ञान की वृद्धि की दिशा में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) द्वारा चलाई जा रही प्रमुख गतिविधियों का ब्यौरा **अनुबंध-I (क)** में दिया गया है।

- इसके अतिरिक्त, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) एक योजना का कार्यान्वयन भी कर रहा है, जो बागवानी क्षेत्र की समग्र वृद्धि के लिए, फलों, सब्जियों, पुष्पों एवं अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाली, केंद्र द्वारा प्रायोजित एक योजना है।

- एमआईडीएच की पांच प्रमुख योजनाएं हैं जो निम्न प्रकार से हैं:

  - राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम)
  - राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी)
  - उत्तर पूर्वी एवं हिमालयन राज्यों के लिए बागवानी मिशन (एचएमएनईएच)
  - नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी)
  - केंद्रीय बागवानी संस्थान (सीआईएच), नागालैंड

- फसल-विशिष्ट समस्याओं के समाधान हेतु बागवानी में अनुसंधान करने के लिए भाकृअप-बागवानी अनुसंधान निदेशालय (डीएफआर) पुणे तथा अपने 22 समन्वित केंद्रों के साथ भाकृअप- पुष्प विज्ञान पर अखिल भारतीय समिन्वत अनुसंधान परियोजना (पुष्प विज्ञान पर एआईसीआरपी) की स्थापना की गई है। भाकृअप- एआईसीआरपी का एक केंद्र टीएनएयू, कोयम्बटूर में है।

- देश भर में पुष्प विज्ञान के क्षेत्र में वृद्धि में सुधार की दिशा में भाकृअप द्वारा चलाई जा रही प्रमुख गतिविधियां **अनुबंध-I (ख)** में दी गई हैं।

(घ) पुष्प विज्ञान पर भाकृअप-एआईसीआरपी का एक समन्वित केंद्र टीएनएयू, कोयम्बटूर में है, जो कोयम्बटूर में और उसके आस-पास के क्षेत्रों में, पुष्प उत्पादकों की प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। इनमें प्रौद्योगिकी सृजन, प्रसार तथा प्रशिक्षणों, किसान मेले में सहभागिता, बागवानी प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का अंतरण भी सम्मिलित है।

******

अनुबंध- I

{लोक सभा के दिनांक 11.02.2020 के अतारांकित प्रश्न सं0 1471 का भाग (ग)}

क. - बागवानी में अनुसंधान

- वर्ष 2014-19 के दौरान, आम, अमरूद, पुष्पों, नींबूवर्गीय एवं शीतोष्ण कटिबंधीय फलों/उद्यानों के संबंध में अनुसंधान कार्य हेतु निम्नलिखित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की गई है:
  - भाकृअप- सीआईएसएच-आरआरएस, मालदा (पश्चिम बंगाल): उपोष्ण कटिबंधीय फलों के लिए
  - भाकृअप-डीएफआर-आरआरएस, कादियम (आंध्र प्रदेश) - सजावटी पुष्पों के लिए
  - भाकृअप-सीसीआरआई-आरआरएस, विश्वनाथ चरियाली (असम) - नींबूवर्गीय फलों के लिए
  - भाकृअप-सीआईटीएच-आरआरएस, दिरांग (अरूणाचल प्रदेश) - शीतोष्ण कटिबंधीय फलों के लिए
- वर्ष 2014-19 की अवधि के दौरान, निम्नलिखित विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं:
  - राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान कार्य करने के लिए भाकृअप के बागवानी विज्ञान विभाग के तहत विभिन्न संस्थानों में 15 नई प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है।
  - किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए बागवानी फसलों की 150 से अधिक किस्में अधिसूचित की गई हैं।
  - विभिन्न बागवानी फसलों के 22908 नए जननद्रव्य/वंशक्रम जोड़े गए हैं।
  - विभिन्न बागवानी फसलों के संबंध में कुल 530 उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं।
  - किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए बागवानी फसलों के कुल 15734 एमटी प्रजनक/सत्यतापूर्वक लेबल लगाए गए बीजों का उत्पादन किया गया है।
  - देश भर में कुल 127 किसान मेलों का आयोजन किया गया जिनमें अनेक प्रौद्योगिकियों को शोकेस एवं प्रदर्शित किया गया।

ख पुष्पविज्ञान में अनुसंधान

- भाकृअप- पुष्प विज्ञान निदेशालय (भाकृअप-डीएफआर) एवं भाकृअप- पुष्प विज्ञान पर अखिल भारतीय समिन्वत अनुसंधान परियोजना (भाकृअप-एआईसीआरपी) के माध्यम से विकसित की गई प्रौद्योगिकियों एवं किस्मों का समय-समय पर हितधारकों के बीच प्रसार किया गया है।
- प्रौद्योगिकीय सहायता (किस्में एवं प्रौद्योगिकियां) से देश में पुष्पोत्पादन कार्यकलापों को बढ़ावा मिला इसमें क्षेत्र विस्तार, पुष्पोत्पादन से निवल लाभ में वृद्धि के अलावा मौजूदा पुष्पोत्पादन को टिकाऊ बनाना शामिल है।

- भाकृअप ने बंगलूरू में, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर) की स्थापना के साथ सजावटी फसल प्रभाग की भी स्थापना की है। यह प्रभाग, समुचित उत्पादन प्रौद्योगिकी के साथ-साथ, सजावटी फसलों की नई किस्मों के विकास पर भी फोकस करता है। यह प्रभाग गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री विकसित करने के उद्देश्य तथा निर्यात पर जोर देने के साथ, सुरक्षित कृषि पर अनुसंधान कार्य पर भी फोकस करता है।
- इसके अतिरिक्त, सजावटी फसलों की रोपण सामग्री की मांग को सक्षम रूप से पूरा करने तथा ज्ञान को साझा करने के लिए आईआईएचआर ने कर्नाटक एवं तमिलनाडु राज्यों के बागवानी विभाग के साथ सहयोग स्थापित किया है।

******